दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 47 शुक्रवार 5 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

प्रेमी ने युवती को भगाया, 34 दिन बाद मिली लाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के श्रीपालपुर गांव में एक युवती की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। युवती की मां ने गांव के ही लालजी पुत्र रेऊ पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। आरोप के अनुसार, लालजी 12 मार्च 2025 को युवती को प्रेम जाल में फंसाकर भगा ले गया। इसके बाद से युवती लापता थी। 15 अप्रैल 2025 को शाम करीब 4 बजे पुलिस ने युवती की मां को थाने बुलाया। पुलिस ने उन्हें एक सिर कटी लाश की फोटो दिखाई और पहचान के लिए कपड़े–जूते दिए। परिजनों ने शव की पहचान अपनी बेटी के रूप में की। पीड़िता की मां का कहना है कि लालजी ने या तो उनकी बेटी की हत्या करके शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया या फिर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर किया। जब उन्होंने कानूनी कार्रवाई की बात की तो लालजी और उसके पिता रेऊ ने उन्हें धमकी दी।

अदालत के आदेश पर वाल्टरगंज पुलिस ने लालजी और उसके पिता रेऊ के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कटरा के समीप गुरुवार दोपहर को एक शव मिला। पुलिस ने शव की पहचान सियरापार साऊपुरवा निवासी परशुराम (65) के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के पुत्र मंगल प्रसाद ने बताया कि उनके पिता पिछले 35 वर्षों से घर छोड़कर ब्लॉक रोड स्थित एक मंदिर में रह रहे थे। वह शराब के आदी थे। पत्नी के जीवित होने के बावजूद उन्होंने दूसरी महिला के साथ रहना शुरू कर दिया था। इसी कारण वह घर छोड़कर चले गए थे। हाल ही में उनकी डेढ़ बिस्वा जमीन का बैनामा हुआ था। लेकिन खरीदार ने पूरे पैसे नहीं दिए थे। इस कारण वह अवसाद में चले गए थे।

आईटीआई में नए छात्रों का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में नए छात्र–छात्राओं के लिए न्यू एकेडमिक वीक ओरियंटेशन कार्यक्रम चल रहा है। यह कार्यक्रम 1 से 6 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। गुरुवार को कार्यक्रम के चौथे दिन विद्यार्थियों ने व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और समूह चर्चा में भाग लिया। छात्रों ने नाट्य प्रस्तुति, गीत–संगीत, भाषण और प्रश्नोत्तरी में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। संस्थान के प्राचार्य गोविंद कुमार ने बताया कि ओरियंटेशन वीक हर साल नए विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाता है। इससे छात्र संस्थान के माहौल से परिचित होते हैं। उन्हें यहां की सुविधाओं और रोजगारपरक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। शिक्षकों का कहना है कि आईटीआई केवल तकनीकी शिक्षा का केंद्र नहीं है। यह छात्रों के समग्र विकास पर भी ध्यान देता है। इस तरह के कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। साथ ही उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करते हैं। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों और प्रशिक्षकों ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सुरक्षा के माहौल से आता है निवेश, गुंडा टैक्स सपा सरकार का संस्कार था – योगी

संवाददाता–गोरखपुर। यूपी में सुरक्षा के माहौल को निवेश की आधारशिला बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा, व्यापारियों और उद्यमियों से गुंडा टैक्स की वसूली सपा सरकार के संस्कार का हिस्सा था। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में 2251 करोड़ रुपये के निवेश और विकास परियोजना का शिलान्यास व लोकार्पण के मौके पर उन्होने कहा कि निवेश की परियोजनाओं में मल्टीनेशनल कंपनी कोका कोला के बॉटलिंग प्लांट का भूमि पूजन, देश में अग्रणी प्लास्टिक उत्पाद–पैकेजिंग कम्पनी टेक्नोप्लास्ट की यूनिट का लोकार्पण शामिल है।

गीडा के प्लास्टिक पार्क में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले निवेश सपना था। डबल इंजन सरकार के द्वारा प्रतिबद्धता से जनसेवा के किए गए कार्यों का परिणाम है कि आज प्रदेश में विकास, निवेश और रोजगार की संभावनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा का माहौल बनता है तो निवेश आता है। निवेश से नौकरी और रोजगार के द्वार खुलते हैं। रोजगार से खुशहाली आती है और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। डबल इंजन की सरकार सुरक्षा का माहौल देकर समृद्धि का मार्ग सुगम कर रही है। उन्होंने बिना नाम लिए सपा पर शाब्दिक प्रहार करते हुए कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने वाले, प्रदेश को दंगों की आग में झोंकने वाले लोगों ने नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। वोट बैंक की राजनीति में सुरक्षा से खिलवाड़ किया। बेटी–बहन की इज्जत की परवाह नहीं की, मातृशक्ति की गरिमा का ख्याल नहीं किया। ऐसे लोगों से विकास की उम्मीद कैसे की जा सकती है। जब ऐसे लोगों को मौका मिला और विकास नहीं करा पाए तो वे आगे भी नहीं करा पाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार में उद्यमियों, व्यापारियों से वसूली होती थी, गुंडा टैक्स लिया जाता था। आज ऐसा करने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। किसी ने गुंडा टैक्स वसूला तो अगले चौराहे पर यमराज उसका इंतजार करते मिलेंगे। सपा सरकार में बिजली यदा कदा आती थी। ये उजाले के दुश्मन थे। उन्होंने समाज में अराजकता फैलाई। जातीय आधार पर सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न किया। तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर वैमनस्यता पैदा किया। जब सत्ता में ऐसे लोग होते हैं तो विकास पीछे छूट जाता है, युवा पलायन को मजबूर होते हैं। आज सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नीयत और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है कि देश और दुनिया का सबसे अच्छा निवेश यूपी में हो रहा है। निजी क्षेत्र में हुए निवेश से 60 लाख लोगों को रोजगार मिला है।

सीएम योगी ने कहा कि ईवीएम से जब वे (विपक्ष) जीतते हैं, हम स्वीकार कर लेते हैं लेकिन जब भाजपा जीतती है तो वे ईवीएम और वोटर लिस्ट को दोषी ठहराने लगते हैं। मीठा–मीठा गप और कड़वा थू नहीं चलेगा। इंडी गठबंधन तुष्टिकरण की राजनीति पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर समाज को बांटने वाले विकसित भारत के बैरियर हैं और इन्हें उखाड़ फेंकना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप 2047 तक विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश और हर जनपद के हर निकाय, गांव को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सबके योगदान का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प का मंत्र बनेगा। विकसित भारत का विजन हर तबके की खुशहाली, हर हाथ को काम देने का माध्यम है। 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित बनाने के लिए ही 13–14 अगस्त को विधानमंडल में लगातार 24–25 घंटे चर्चा हुई। इसके अगले क्रम में 300 से अधिक बुद्धिजीवी हर जिले में जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि एक आम नागरिक भी विकसित उत्तर प्रदेश के लिए विजन डॉक्यूमेंट में क्यूआर कोड से अपने सुझाव दे सकता है।

सीएम योगी ने गीडा की वर्तमान और आगामी निवेश परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन निवेश परियोजनाओं से गीडा 15000 से अधिक लोगों को रोजगार देने जा रहा है। युवाओं को अपने घर के पास ही रोजगार मिल जाएगा।

जलकर, गृहकर में वृद्धि के खिलाफ व्यापारियों ने किया घेराव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पालिका परिषद द्वारा जलकर व गृहकर में की गई वृद्धि व्यापारियों को नागवार गुजरी है। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के चेयरमैन आनंद राजपाल की अगुवाई में व्यापारियों ने नगरपालिका परिषद का घेराव किया और इस मनमानी के खिलाफ आरपार का संघर्ष छेड़ने की चेतावनी दी। कई भवन स्वामियों ने नगरपालिका द्वारा की गई वृद्धि पर घोर आपत्ति दर्ज कराया है।

उपरोक्त संदर्भ में अखबार में प्रकाशित कर नगरपालिका परिषद ने टैक्स में की गई वृद्धि को सार्वजनिक किया था, साथ ही 05 सितम्बर तक इस पर आपत्ति दर्ज कराने को कहा था। इसी क्रम में व्यापारियों ने नगरपालिका की घोर मनमानी पर आपत्ति दर्ज कराया। चेयरमैन आनंद राजपाल ने सख्त लहजे में कहा कि मनमाना की गई वृद्धि वापस नही ली गई तो निर्णायक आन्दोलन होगा जिसकी जिम्मेदारी नगरपालिका प्रशासन की होगी। घेराव करने में राजपाल के अलावा सुनील कुमार गुप्ता, अदालत प्रसाद, शम्भूनाथ गुप्ता, चुनमुनलाल, प्रद्युम्न शुक्ल, राजेश, टुनटुन सोनी, एसएन गुप्ता, आशुतोष पाण्डेय, चन्द्रभान चतुर्वेदी, सतीश सोनकर, भानुप्रकाश चौबे, डब्बू श्रीवास्तव, चन्द्रप्रकाश चौधरी, सुनील गुप्ता, सौरभ आदि मौजूद रहे।

पत्नी के सामने तालाब में डूबकर पति की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के कम्हरिया गांव में बुधवार को चुइलहवा ताल पर एक हादसा हुआ। गांव के 27 वर्षीय अकील अहमद ताल के किनारे से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे पानी में गिर गए। उनकी पत्नी मीना खातून उनके पीछे चल रही थी। उन्होंने पति को डूबते देखा और मदद के लिए आवाज लगाई। मीणा की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक अकील गहरे पानी में डूब चुके थे।

स्थानीय युवक शहबान के मुताबिक करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद अकील का शव पानी से निकाला गया। परिजन उन्हें तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया मामला डूबने से मौत का लग रहा है। अंतिम पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दु:खी शिक्षक नहीं मनाएंगे शिक्षक दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीते 1 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश से देश भर के शिक्षकों की नौकरी पर संकट के बादल छा गए हैं। इस निर्णय से शिक्षकों में दुख व्याप्त है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेश चंद शर्मा के आह्वान पर प्रदेश के शिक्षकों ने शिक्षक दिवस न मानने का निर्णय लिया है। जिसके सन्दर्भ में एक बैठक जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में सदर बीआरसी सभागार में गुरुवार को हुई। बैठक के बाद शिक्षकों ने बीएससी को ज्ञापन भी सौंपा। जिलाध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये आदेश से देश भर में 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों की नौकरी पर संकट मँडरा गया है। यदि आदेश को निजी स्कूलों पर लागू किया गया तो इससे प्रभावित शिक्षकों की सम्भावित संख्या करोड़ में होगी। इस निर्णय से शिक्षक दु:खी एवं चिन्तित हैं। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि सदैव की भाँति इस शिक्षक दिवस पर देश एवं सभी प्रदेश की सरकारें मंच सजाकर चंद शिक्षकों को चंद लम्हों का सम्मान देंगी। उनमें कुछ ऐसे शिक्षक भी होंगे जिन्हें भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाये गये कानून के कारण दो साल बाद सेवा से निकालने की चिंता सता रही होगी। क्या ऐसे विषम परिस्थिति में मिलने वाले उस सम्मान को शिक्षक मन से स्वीकार करेगा। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाये गये कानून के क्रम में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश से शिक्षकों के सामने दो वर्ष बाद सेवा से बाहर किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इसलिए हम सभी प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध करते हैं कि शिक्षकों के साथ न्याय करने की घोषणा करने की कृपा करें। कहा कि शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के हित में घोषणा ही शिक्षकों के लिए वास्तविक सम्मान होगा।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी, रवीश मिश्र, शिव प्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, ब्लॉक अध्यक्ष सनद पटेल, बृजेश त्रिपाठी, विनोद यादव, रजनीश यादव, गौरव चौधरी, उमाकांत शुक्ला, सुरेश गौड़,मोहम्मद असलम, हरेंद्र यादव, राजकुमार तिवारी, प्रताप नारायण चौधरी, रवि प्रताप सिंह, विजय, अशोक यादव, संजय चौधरी, अखिलेश पाण्डेय, शिल्पी पाण्डेय,रेहाना परवीन, रीना कनौजिया, शशि सिंह, कंचनमाला त्रिपाठी, वंदना त्रिपाठी, सरिता वर्मा, संघमित्रा, शशि सिंह, आरती गौतम, मीना चौधरी, नीतू मौर्य, अनीता भट्ट, चंद्रशेखर त्रिपाठी, रमेश सिंह चौधरी, बृजेश चौधरी, हरिओम यादव, संतोष पाण्डेय, आज्ञाराम वर्मा, मुरलीधर, राम भवन यादव, शिवरतन, अंगद सिंह सहित अन्य शिक्षक व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जीसटी की नई दरों से उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

नई दिल्ली (आभा)। इनकम टैक्स में राहत के बाद केंद्र सरकार ने पीएम मोदी के वादे को पूरा किया है। अब जीएसटी की दरों में बदलाव कर आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्यमियों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुओं को सस्ता कर दिया।

अब जीएसटी की सिर्फ दो दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी। जीएसटी दरों में इस बदलाव से ब्रेड, पराठा और दूध से लेकर एसी और कार तक सस्ते होंगे। पिछले एक साल से लंबित स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है।

नई दरों में छोटी कार, तिपहिया और 350 सीसी से कम क्षमता वाली बाइक पर अब 28 प्रतिशत की जगह 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। ट्रैक्टर और इसके टायर पर पांच प्रतिशत टैक्स लगेगा। 1500 सीसी या चार मीटर से लंबी लग्जरी कारों, तंबाकू और सिगरेट जैसी हानिकारक वस्तुएं और उच्च विलासिता वाले आइटम के लिए 40 प्रतिशत का नया स्लैब बनाया गया है।

पान मसाला, गुटखा, सिगरेट, जर्दा जैसे चबाने वाले तंबाकू उत्पाद और बीड़ी को छोड़कर अन्य उत्पादों पर नई दरें 22 सितंबर यानी नवरात्र के पहले दिन से लागू होंगी। कई सेवाओं की दरों में भी बदलाव किया गया है, जिससे अब होटल में ठहरना भी सस्ता हो जाएगा। जीएसटी दरों में इतनी बड़ी राहत से सरकार के जीएसटी राजस्व में सालाना 47,700 करोड़ रुपये की कमी का अनुमान लगाया गया है।

जीएसटी की नई दरें ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं पर 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होंगी। हालांकि, सिगरेट और कुछ तंबाकू उत्पादों पर नई दरें बाद में अधिसूचित तारीख पर लागू की जाएंगी।

सभी दवाओं और औषधियों पर 5: की रियायती जीएसटी दर लागू है, सिवाय उन दवाओं के जिन पर शून्य दर लागू है। ऐसा निर्माताओं की उत्पादन लागत बढ़ने से बचाने के लिए किया गया है। कैंसर की दवाओं पर शून्य प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

हेल्थ क्लब, सैलून, नाई, फिटनेस सेंटर और योग सेवाओं पर अब इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बिना 5: की जीएसटी दर लागू होगी, जो पहले 18: थी।

सभी छोटी कारों पर जीएसटी की दर 28: से घटाकर 18: कर दी गई है। यह 1200 सीसी तक की इंजन क्षमता और 4000 मिमी तक की लंबाई वाली पेट्रोल, एलपीजी या सीएनजी कारों और 1500 सीसी तक की इंजन क्षमता और 4000 मिमी तक की लंबाई वाली डीजल कारों पर लागू होगी।

किसानों को राहत देने के लिए स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई प्रणाली और कटाई मशीनरी जैसी कृषि मशीनरी पर जीएसटी दर 2: से घटाकर 5: कर दी गई है।

एअर कंडीशनर और डिशवॉशर पर जीएसटी 28: से घटाकर 18: कर दिया गया है। सभी टीवी और मॉनिटर, चाहे उनका आकार कुछ भी हो, अब एक समान 18: कर के दायरे में आएंगे, जबकि बड़ी स्क्रीन वाले टीवी और मॉनिटर पर पहले 28: टैक्स लगता था।

होटल आवास सेवाएं, जहां आपूर्ति का मूल्य 7500 रुपये प्रतिदिन तक है, पर आईटीसी के बिना 5: कर लगाया जाएगा, जो 18: से कम है। 40: की नई जीएसटी दर सभी निर्दिष्ट कार्रवाई योग्य दावों पर लागू होगी, जिसमें सट्टेबाजी कैसीनो, जुआ, घुड़दौड़, लॉटरी और ऑनलाइन मनी गेमिंग शामिल हैं।

दृष्टि सुधारने वाले चश्मे और गॉगल्स पर अब 5: जीएसटी लगेगा, जबकि अन्य प्रकार के चश्मों पर 18: टैक्स लगेगा।

रामस्वरूप विश्वविद्यालय, में लाठीचार्ज के विरोध में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, बाराबंकी में हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया। गांधीनगर में सैकड़ों कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। उन्होंने आधे घंटे तक सड़क जाम रखी।

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस ने छात्रों की आवाज दबाने के लिए लाठीचार्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने दोषी पुलिसकर्मियों और बाहरी तत्वों पर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान मंत्री ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ भी नारेबाजी हुई। कार्यकर्ताओं ने उन पर छात्रों की आवाज को अनसुना करने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि दोषियों पर कार्रवाई न होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शहर कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। क्षेत्र में कुछ देर तक अफरा–तफरी का माहौल रहा। पुलिस और पदाधिकारियों के समझाने पर कार्यकर्ता शांत हुए और जाम समाप्त हुआ।

सीडीओ, डायट प्राचार्य, बीएसए ने शिक्षकों को किया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में गुरुवार को शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल रहे। मुख्य अतिथि, डायट प्राचार्य और बीएसए अनूप कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डायट की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। डायट प्राचार्यध्सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक बस्ती मंडल द्वारा मुख्य विकास अधिकारी का बैज अलंकरण तथा बुके भेंट कर स्वागत किया गया। बीएसए ने सीडीओ और डायट प्राचार्य को पुस्तक भेंट की। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षक ही समाज की आत्मा होते हैं। बच्चों के भविष्य को गढ़ने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अतुलनीय है। डायट प्राचार्य ने कहा कि शिक्षक दिवस हमें यह संदेश देता है कि शिक्षक समाज का सबसे बड़ा मार्गदर्शक है। समाज में हमेशा अच्छे शिक्षकों व डाक्टरों की आवश्यकता रहेगी। बीएसए ने कहा कि शिक्षक दिवस गुरुजनों को सम्मान देने और उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का अवसर है। कार्यक्रम में सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन से कृतज्ञ अनिका, आदित्य, फैजान आदि विशेष अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को एसआरजी आशीष श्रीवास्तव, अंगद पाण्डेय, सुरभि ओझा, मीना शर्मा, भारती शुक्ल, अनामिका सिंह, शाहिद सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

–राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण – सीडीओ

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता वंदना चौधरी, अमन सेन, डॉ. गोविंद प्रसाद, डॉ. ऋचा शुक्ला, कुलदीप चौधरी, अलीउद्दीन, मो. इमरान, शशि दर्शन त्रिपाठी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, डॉ.रविनाथ डायट प्रशिक्षु अंशु, पलक, विशाल, सूरज, अमरेंद्र, ज्ञानेन्द्र, सच्चिदानंद, वैष्णवी, महिमा आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 सितम्बर 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

बाढ और बचाव की पहल

उत्तर से दक्षिण भारत तक जब भी कोई आपदा या संकट देश पर आया है, पंजाबियों ने आगे बढ़–चढ़कर पीड़ितों की मदद की है। पंजाब की धरा से गुरुओं व पीर–पैगम्बरों ने मानवता के उत्थान व मिल–जुलकर खाने की सीख दी है। गुरुओं का यह संदेश देश–दुनिया में प्रेरणा का प्रतीक बना हुआ है। ऐसे वक्त में जब पंजाब बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है तो शेष देश के लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आने की जरूरत है। उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब के लोग हमेशा बेहद स्वाभिमानी रहे हैं। इस सीमावर्ती राज्य ने गाहे–बगाहे विभिन्न चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। मध्यकाल में विदेशी आक्रांता रहे हों या आजादी के बाद पाकिस्तान के आक्रमण, पंजाबियों ने भारत की सुरक्षा ढाल बनकर जीवटता का परिचय दिया है। यहां जरूरी है कि किसी मदद से पहले पंजाबियों के स्वाभिमान का विशेष ख्याल रखा जाए। यूं तो इस आपदा की घड़ी में सेना के अलावा पंजाब के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन अपने स्तर पर लोगों को संकट से उबारने के काम में प्राणपण से लगे भी हुए हैं। लेकिन आपदा का बड़ा स्तर देखते हुए शेष देश से योगदान की उम्मीद की जा रही है। निस्संदेह, आपदा का दायरा बड़ा है, जिसमें राज्य के 23 जिलों में करीब तीन लाख से अधिक लोग जलप्लावन का त्रास झेल रहे हैं। बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकट की इस घड़ी ने लोगों को स्वतरूस्फूर्त रूप में एकजुट किया है। पंजाबियों का जज्बा देखिए कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उफनते पानी में नावें उतार दीं। उन्होंने न केवल पड़ोसियों, बच्चों–बूढ़ों को बचाया, बल्कि पशुओं को बचाने के लिये भी भरसक प्रयास किए। सारी दुनिया में मानवता का पर्याय बने लंगर लगाए गए। जगह–जगह अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए। बिना किसी संकोच के राशन बांटा गया।

निस्संदेह, पंजाबियों की यह भावना कोई पहली बार नहीं देखी गई। अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी मदद के तमाम प्रेरणादायक उदाहरण हमारे सामने हैं। अब चाहे तुर्की का भूकंप हो या केरल में प्राकृतिक आपदा का तांडव, पहले प्रतिक्रिया देने वालों के रूप में पंजाबियों की विशिष्ट पहचान रही है। खालसा एड, यूनाइटेड सिख्स, हेमकुंट फाउंडेशन और अनगिनत स्थानीय गुरुद्वारों से जुड़े संगठनों ने मुश्किल वक्त में तेजी से काम किया है। जरूरतमंद लोगों तक भोजन,पानी,दवा और चारा पहुंचाया है। गुरुदासपुर और कपूरथला में स्वयंसेवकों ने कमर तक गहरे पानी में जाकर संकटग्रस्त लोगों को बाहर निकाला है। इतना ही नहीं, पशु चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे मवेशियों की देखभाल कर रहे हैं। वित्तीय मदद भी मिल रही है, जिसे राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अविलंब बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन, परोपकारी लोग और यहां तक कि कलाकार भी लोगों की मदद व पुनर्वास का संकल्प ले रहे हैं। एक पंजाबी सेलिब्रिटी ने 200 घरों के लिये सहायता का वायदा किया है। जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे सांस्कृतिक हस्तियां तबाही की विभीषिका कम करने के लिये सामुदायिक समूहों के साथ आगे आ रही हैं। निस्संदेह, इस संकट की घड़ी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना ने नावों, हेलीकॉप्टरों और राहत शिविरों के जरिये पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। वे तसवीरें मानव सेवा के संकल्प को दर्शाती हैं, जिसमें ग्रामीणों ने ट्रैक्टर–ट्रालियों को जीवन रक्षक नौकाओं में तब्दील कर दिया है। प्रवासी समूहों द्वारा आर्थिक मदद भेजना भी एक सुखद पहल है। निस्संदेह, पंजाब में इस सेवा की संस्कृति और निस्वार्थ पहल की बार–बार परीक्षा भी हुई है। लेकिन जब आपदा का स्तर विकराल हो तो महज इस सद्भावना से ही संकट का निवारण संभव नहीं है। पंजाब में अब बाढ़ पीड़ितों को तेजी से मुआवजा देने, पारदर्शी ढंग से फसल की क्षति का मूल्यांकन तथा घरों के पुनर्निर्माण में तेजी लाने की जरूरत होगी। अगर सरकारी तंत्र और नागरिक समाज मिलकर अपनी ऊर्जा का उपयोग करे, तो न केवल पंजाब इस प्राकृतिक आपदा से जल्दी उबर पाएगा, बल्कि ये प्रयास एक प्रेरणादायक पहल के रूप में पूरे देश का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

जन प्रतिनिधियों को पेंशन के यक्ष प्रश्न

—विश्वनाथ सचदेव—

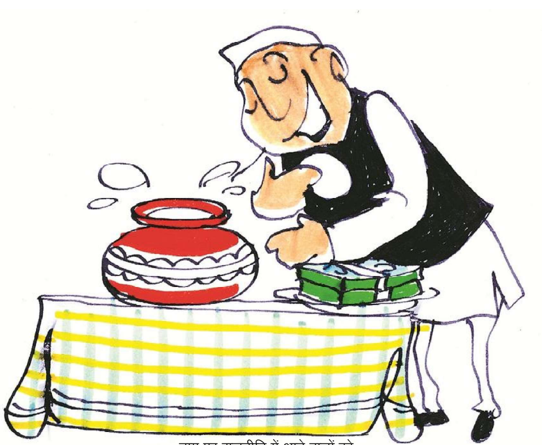

जन–प्रतिनिधियों की इस पेंशन पर पुनर्विचार होना ही चाहिए। पहली बात तो यह कि विधायकी–सांसदी समाप्त होने के बाद पेंशन क्यों? इस आशय के कुछ सुझाव भी आये हैं कि एक से अधिक पेंशन तत्काल बंद हो। आखिर पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ का पता चल ही गया। जब से उन्होंने पद से इस्तीफा दिया था, वह जैसे कहीं गायब ही हो गये थे। चिंता उनकी कथित बीमारी को लेकर भी थी, हैरानी हो रही थी कि उनकी अपनी पार्टी बीजेपी का भी कोई नेता उनकी तबीयत के बारे में पूछने, उन्हें शुभकामनाएं देने नहीं पहुंचा, और न वे स्वयं किसी से मिले या बतियाये। भला हो राजस्थान विधानसभा के सचिवालय का, जिसके सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जी ने अपनी पेंशन बहाल किये जाने के लिए आवेदन किया है! मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार धनखड़ 1993 से लेकर 1998 तक राजस्थान में विधायक थे। जब से उन्हें राज्यपाल बनाकर बंगाल भेजा गया था, उनकी पेंशन बंद हो गयी थी, अब राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद वे फिर से अपनी विधायकी वाली पेंशन लेने के हकदार हो गये हैं। उन्हें प्रति माह कम से कम 42 हजार रुपये मिलेंगे। उपराष्ट्रपति पद से जुड़े लाभ अलग से। और हां, विधायकों–सांसदों को मिलने वाली पेंशन–राशि पर आयकर भी नहीं देना पड़ता। यही नहीं, उनकी पेंशन से जुड़ी एक और बात भी कम हैरान करने वाली नहीं है। मान लो कोई विधायक आगे चलकर सांसद भी बन जाता है तो उसे सांसद वाली पेंशन भी मिलेगीदृ यानी दुहरी पेंशन। और यदि कोई एक से अधिक बार विधायक अथवा सांसद निर्वाचित होता है तो वह आवृत्ति के अनुपात में दुहरी या तिहरी पेंशन पाने का अधिकारी बन जायेगा! और पेंशन पाने का हकदार बनने के लिए इन राजनेताओं को सरकारी कर्मचारियों की तरह कम से कम अठारह साल काम करने की शर्त भी नहीं निभानी पड़ती। सुना है एक दिन के लिए भी कोई विधायक या सांसद बन जाये तो पेंशन पाने का हकदार बन जाता है! पर सवाल उठता है जनसेवा के नाम पर राजनीति में आने वालों को पेंशन मिलने का आधार क्या है?

अक्सर राजनेताओं से जब यह सवाल पूछा जाता है कि उनका राजनीति में आने का उद्देश्य क्या है अथवा उनका पेशा क्या है तो वे जवाब देते हैंदृ जनसेवा। विधानसभाओं या संसद में सदस्य रहने के दौरान निर्वाचित जन–प्रतिनिधियों को वेतन अथवा भत्ते के रूप में उचित राशि मिले, यह बात तो समझ में आती है, जनसेवा के लिए राजनीति में आने वाले के जीवन भर के भरण–पोषण की व्यवस्था भी सरकार करे, यह बात आसानी से गले नहीं उतरती। फिर जब दोहरी पेंशन व्यवस्था जैसी स्थिति को देखते हैं तब तो हैरानी और बढ़ जाती है।

एक नेता थे हमारे देश के जिन्हें सचमुच वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकता थी। मैं गुलजारी लाल नंदा की बात कर रहा हूं। दो बार देश का प्रधानमंत्री बनने वाले इस नेता के पास राजनीति से निवृत्त होने के बाद रहने के लिए दो कमरों का मकान भी नहीं था। किराये के एक कमरे में रहा करते थे वे। और किराया न दे पाने के कारण उस कमरे से भी उनका सामान उठाकर बाहर फेंक दिया गया था। हो सकता है कुछ लोग और भी हों जिनकी आर्थिक स्थिति नंदा जी की तरह ठीक न हो। यह तो समझ में आता है कि ऐसे व्यक्तियों के लिए कुछ व्यवस्था होनी चाहिए, पर लाखों–करोड़ों की संपत्ति वाले 'जनसेवक' भी जब अधिकाधिक पेंशन पाने का अधिकार मांगते हैं तो हैरानी भी होती है और शर्म भी आती है!

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारे मुख्य राजनीतिक दलों के पास संपत्ति की कोई कमी नहीं है। वर्ष 2020–21 में भाजपा की संपत्ति लगभग 4990 करोड़ रुपये थी। दो साल में बढ़कर वह लगभग 6046 करोड़ हो गयी। इसी तरह कांग्रेस दो वर्ष में 591 करोड़ से बढ़कर 805 करोड़ रुपये हो गयी थी। अधिकांश दलों के पास वित्त की कोई कमी नहीं थी। ये करोड़ों की संपत्ति वाले दल अपने उन कार्यकर्ताओं को वित्तीय सहायता क्यों नहीं देते जिन्हें आर्थिक मदद की आवश्यकता है? जनता का पैसा नेताओं की आर्थिक सुरक्षा के लिए खर्च क्यों हो?

एक बात और भी है। सब जानते हैं कि हमारे देश में चुनाव लड़ना पैसे वालों के बस की ही बात है। चुनाव–व्यय की सारी मर्यादाएं धरी रह जाती हैं जब हम चुनावों में प्रत्याशियों को धन लुटाते देखते हैं। ऐसे विधायक या सांसद उंगलियों पर गिने जा सकते हैं जो करोड़ों की संपत्ति के मालिक न हों। महाराष्ट्र के एक विधायक देश के सबसे अमीर विधायक हैं उनकी घोषित संपत्ति है लगभग 3400 करोड़ रुपये। दूसरा नंबर आंध्र प्रदेश के एक विधायक का है जो 1413 करोड़ रुपये के मालिक हैं। कर्नाटक के विधायकों की कुल संपत्ति लगभग 14179 करोड़ रुपये है और आंध्र प्रदेश के विधायकों की कुल संपत्ति 11323 करोड़ के लगभग है। देश के आम आदमी से अनायास पूछ लिया जाये एक करोड़ में कितने शून्य होते हैं तो वह शायद ही तत्काल उत्तर दे पायेगा। सौ करोड़ या हजार करोड़ के आंकड़ों से तो हम देश के आम आदमी का अपमान ही करेंगे।

बहरहाल, बात पूर्व उपराष्ट्रपति की पेंशन से शुरू हुई थी। यह सवाल तो बार–बार पूछा जाना चाहिए कि जनसेवा का दावा करके, अथवा जनसेवा का सपना लेकर राजनीति में आने वाले को, विधानसभा अथवा संसद में आने वाले को सदस्यता समाप्त होने के बाद भी हजारों–लाखों रुपये पेंशन क्यों दिये जाएं? पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सरकारी कर्मचारियों के मामले में कुछ फेरबदल करके पेंशन समाप्त कर दी थी, पता नहीं क्या सोचकर उन्होंने विधायकों–सांसदों की पेंशन बरकरार रखी!

जन–प्रतिनिधियों की इस पेंशन पर पुनर्विचार होना ही चाहिए। पहली बात तो यह कि विधायकी–सांसदी समाप्त होने के बाद पेंशन क्यों? इस आशय के कुछ सुझाव भी आये हैं कि एक से अधिक पेंशन तत्काल बंद हो। पर यह सवाल तो फिर भी उठेगा ही कि जनसेवा कोई नौकरी नहीं है। और नौकरी की लिए कुछ अर्हताएं होती हैं, हमारे जनसेवक तो किसी भी अर्हता से नहीं बंधे। ऐसे में उन्हें पेंशन का औचित्य सहज समझ नहीं आता।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर लाखों लोगों ने रसोई गैस की सब्सिडी लेना बंद कर दिया था। हमारे राजनेता ऐसा कोई उदाहरण प्रस्तुत क्यों नहीं कर सकते? हमारी राजनीति में कहीं तो कोई स्थान शुचिता के लिए हो। राजनीति व्यवसाय नहीं है, सेवा है। कुछ बलिदान का, उत्सर्ग का भाव होना चाहिए सेवा में। सेवा के नाम पर चल रहे व्यवसाय को नियमित करने की आवश्यकता है।

आवश्यकता इस बात की भी है कि हमारे 'जनसेवक' सेवा के उदाहरण प्रस्तुत करें। सिर्फ यह कहना मात्र पर्याप्त नहीं है कि वे जनसेवा के लिए राजनीति में आये हैं। उनकी यह घोषणा त्याग का नहीं, एक गर्व का अहसास कराती है। अहंकार की गंध आती है इस गर्व से। राजनीति में शुचिता को स्थान देने के लिए इस गंध को मिटाना ही होगा। झोला उठाकर चल देने से बात नहीं बनेगी, प्रदूषित राजनीति को स्वच्छ करने बनाने की आवश्यकता है।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

स्वदेशी चिप बड़ी उपलब्धि

—ललित गर्ग—

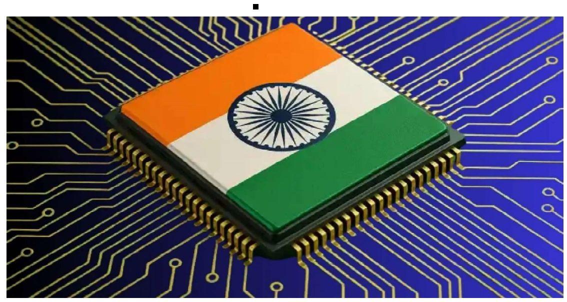

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढेघ्गी और तकनीक के साथ–साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया–2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चें पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे "विक्रम" नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष–मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32–बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू–ब–रू हो रही है।

अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म–प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। "विक्रम" माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान–विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों–करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान–विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं।

32–बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण–सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार–चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष–योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है।

चलें ज्ञान की ओर

—संजीव ठाकुर—

नैसर्गिक रुप से हर संतान की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है। जीवन के संसार में प्रवेशके बाद प्रतीक ज्ञान की शालाओं के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण शिक्षकीय जीवन में छात्रों के लिए ज्ञान के दिग्दर्शन, देश के श्रेष्ठ नागरिक बनाने और मानविय संवेदनाओं को जीवन मे मार्गदर्शित करने की होती है।

इस संदर्भ में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अत्यंत सारगर्भित बात कही 'कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें' द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में हम बड़े आदर श्रद्धा पूर्वक म,नाते हैं। (वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य है)

आज शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी आमूल चूल परिवर्तन देखा गया और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं उन पर विश्वास में कुछ वर्षों में काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैसे तो यह विदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही

हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय, महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता, सहयोग रखना भी होता हैस शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100: निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें किन्तु हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना कितना न्यायोचित होगा ।

राष्ट्र के निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इनका दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग–अलग दिवसों में मनाया जाता हैस शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैंस किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वे मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत–प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकें।

छांगुर बाबा मगरमच्छ, छोटी–छोटी मछलियां अभी बाकीं –बबीता सिंह चौहान

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने मेडिकल कॉलेज, राजकीय बालिका गृह और मंडलीय कारागार का निरीक्षण किया। मेडिकल कॉलेज में निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों को यहां एक पुलिस चौकी स्थापित करने के भी निर्देश दिए, ताकि भीड़भाड़ के बीच लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

छांगुर बाबा प्रकरण पर बड़ा बयान देते हुए बबीता सिंह चौहान ने कहा कि छांगुर बाबा कोई और नहीं बल्कि मगरमच्छ था। उन्होंने बताया कि इस मामले के सामने आने से पहले ही वह चिंतित थीं, क्योंकि पूर्वांचल के करीब 10–15 जिलों से लड़कियों के गायब होने की शिकायतें मिल रही थीं। बाबा का अड्डा पूरे पूर्वांचल में फैला हुआ था। यहां शिक्षा का अभाव और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग होने के कारण वह अलग–अलग जातियों के हिसाब से रेट तय कर लड़कियों को फंसाता था। यह एक बड़ा षड्यंत्र और घिनौना खेल था, जिसकी जड़ें अब सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि गोंडा में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर इस पर चिंता जताई गई है। आगे लड़कियों की शिक्षा और जागरूकता पर जोर दिया जाएगा। चौपाल और जागरूकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में संदेश पहुंचाया जाएगा।

बबीता सिंह चौहान ने कहा कि अभी तो बलरामपुर में मगरमच्छ पकड़ा गया है। छोटी–छोटी मछलियां भी काम कर रही थीं, उन्हें भी पकड़ा जा रहा है। कोई यह न समझे कि वह लंबे समय तक बच जाएगा। सबको जेल भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला आयोग ब्लॉक और तहसील स्तर तक इस पर काम कर रहा है। बाराबंकी में एबीवीपी कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस की मारपीट पर उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने यह किया, उनके खिलाफ कार्रवाई हुई है। इसमें शामिल अधिकारी–कर्मचारी बख्शे नहीं गए। लाठीचार्ज मुख्यमंत्री की अनुमति से नहीं हुआ था, लेकिन गलती करने वालों को सजा जरूर मिली है। योगी सरकार हर मामले में कठोर कार्रवाई कर रही है।

बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच में डेमोग्राफी चेंज (जनसंख्या असंतुलन) को लेकर उन्होंने कहा कि योगी सरकार बहुत सक्रिय है। पिछली सरकारों ने जो खाई खोदी थी, उसे भरने में समय लगेगा, लेकिन सुधार का काम तेज गति से जारी है। जीएसटी में छूट को महिलाओं के लिए बड़ी राहत बताते हुए बबीता सिंह चौहान ने कहा दृ "यह सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं बल्कि पूरे परिवार के हित में लिया गया फैसला है। इससे घर के खर्चों में बचत होगी। मैं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का सभी महिलाओं की ओर से आभार व्यक्त करती हूं।"

शिक्षक ने ग्रुप में की आपत्तिजनक पोस्ट

संवाददाता–महराजगंज। परतावल ब्लॉक में बेसिक शिक्षा विभाग के एक शिक्षक द्वारा विभागीय व्हाट्सएप ग्रुप में ब्राह्मण महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। यह घटना बीती रात 10:33 बजे की है। एकेडमिक इन्फो परतावलश नाम के इस ग्रुप में खंड शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापक और शिक्षक जुड़े हुए हैं। यह ग्रुप विभागीय सूचनाओं के आदान–प्रदान और शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए बनाया गया है।

शिक्षक की इस टिप्पणी के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। ग्रुप में शामिल महिला शिक्षकों ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है। बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पांडेय ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने आरोपी शिक्षक पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

भगवान विष्णु के पांचवें अवतार हैं वामन भगवान–श्रीमज्जगतगुरु रामानुजाचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामानुज संप्रदाय की प्रसिद्ध पीठ उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड, अयोध्याधाम में वामन द्वादशी अर्थात वामन जयंती धूमधाम से मनाई गई। जयंती महोत्सव को उत्तर तोताद्रिमठ पीठाधीश्वर श्रीमज्जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज ने अपना संयोजन प्रदान किया। मठ के गर्भगृह में विराजमान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश भगवान का सुबह भव्य श्रृंगार कर पूजन–अर्चन, भोग, आरती किया गया। फिर अभिजीत मुहूर्त में उनका घंटे, घड़ियारों और शंख की करतलध्वनि बीच वामन भगवान के प्रतीकात्मक रूप में प्राकट्य हुआ। भगवान के प्राकट्य होते ही पूरा वातावरण उनके जन्म स्तुति की चौपाइयों से गूंज उठा। चहुंओर हर्षोल्लास का वातावरण छा गया। जिसमें रमकर साधु–संत भक्तजन भावविभोर हो गए। वहां श्रद्धा, आस्था और भक्ति की त्रिवेणी बहने लगी। वामन भगवान का पूजन–अर्चन, आरती कर विविध व्यंजनों का भोग लगाया गया। अंत में सभी को भगवान के जन्मोत्सव का प्रसाद वितरित हुआ। जगतगुरु स्वामी अनंताचार्य महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भाद्रपद शुक्ल द्वादशी पर मठ में परंपरानुसार वामन भगवान की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। भगवान विष्णु के अवतारों में वामन अवतार पांचवें अवतार के रूप में प्रसिद्ध हैं। वामन द्वादशी का व्रत शत्रुओं के नाश और विरोधियों की पराजय की कामना करने के लिए किया जाता है। वामन द्वादशी का संबंधा भगवान विष्णु के वामन अवतार से है। इस अवतार के माध्यम से भगवान विष्णु ने दैत्यराज बलि से देवताओं को स्वर्ग वापस दिलाया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को अभिजीत मुहूर्त श्रवण नक्षत्र में माता अदिति व कश्यप ऋषि के यहां वामन भगवान का जन्म हुआ था। वामन द्वादशी का व्रत जातक के शत्रुओं का नाश करने वाला होता है। ऐसा माना जाता है कि यदि इस दिन श्रावण नक्षत्र हो। तो इस व्रत का महत्व कई गुना अधिक हो जाता है। भक्तों को इस दिन उपवास रखकर भगवान वामन की स्वर्ण प्रतिमा बनवा कर पंचोपचार और विधि–विधान से भगवान विष्णु के इस स्वरूप का पूजन करना चाहिए। इस अवसर पर उत्तर तोताद्रिमठ के मैनेजिंग ट्रस्टी केशव नारायण दूबे उपनाम केशव प्रपन्नाचार्य समेत मंदिर से जुड़े शिष्य–अनुयायी, परिकर व विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

आग में जलकर पांच मवेशियों की मौत, पांच झुलसे

संवाददाता–श्रावस्ती। अज्ञात कारणों से एक अहाते में आग लग गई। जिसमें पांच मवेशियों की आग से जलकर मौत हो गई व पांच मवेशी गंभीररूप से झुलस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व दमकल कर्मियों की टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। सिरसिया थाना क्षेत्र के गुलरा परसोहना गांव निवासी उदयराज पुत्र श्याम बिहारी यादव के फूस के अहाते में बुधवार देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे कुछ ही देर में आग पूरे अहाते में फैल गई। आग्निकांड की घटना देख ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गई। लोगों की ओर से अहाते में बंधे एक दर्जन मवेशियों को मचाने का प्रयास किया जाने लगा।

लेकिन आग की लपटों के आगे लोग विवश नजर आए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस व फायर विभाग को दी। सूचना पर पुलिस व दमकल की टीम गांव पहुंची। रास्ता खराब होने के कारण दमकल वाहन घटनास्थल तक नहीं पहुंच सके और वाहन को दूर ही छोड़ना पड़ा। फिर भी पुलिस व दमकल टीम ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। आग बुझाने में सफलता मिली तब तक अहाते में बंधी एक गाय व चार भैंस समेत पांच मवेशियों की जलकर मौत हो गई। वहीं पांच मवेशी गंभीररूप से झुलस गए। जबकि दो मवेशी भाग निकले जो लापता हो गए। साथ ही एक पम्पिंग सेट, एक चारा मशीन, खाद्यान्न व भूसा जल गया। झुलसे मवेशियों का इलाज पशु अस्पताल सिरसिया की टीम कर रही है। सुबह तहसीलदार भिनगा राजस्व टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और क्षति आंकलन किया। उदयराज ने बताया कि चार भैंस की कीमत करीब दो लाख रुपये से अधिक थी। इस तरह से करीब साढ़े तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर एक लाख जुर्माना

संवाददाता–गोण्डा। जिले में छपिया और खोण्डारे थाना क्षेत्र में बीती रात 20 से अधिक स्थानों पर ड्रोन कैमरे देखे जाने के बाद पुलिस प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन ने बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने वालों पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना और दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया है। पुलिस द्वारा अफवाह फैलाने की धाराओं में भी कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस प्रशासन ने 250 ग्राम से अधिक वजन वाले सभी ड्रोन का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। रात में ड्रोन दिखने के बाद गश्त बढ़ा दी गई है। गांवों में जनसभाएं और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। ड्रोन धारकों का सत्यापन और पंजीकरण किया जा रहा है। तकनीकी निगरानी से ड्रोन संबंधी सूचनाओं का विश्लेषण हो रहा है अपने–अपने माध्यम से भी हम लोग जानकारी कर रहे हैं।

प्रशासन ने ग्राम सुरक्षा समितियों से अपील की है कि ड्रोन संबंधी कोई सूचना मिलने पर यूपी–112 को तुरंत बताएं। खुद कानून हाथ में न लें। पुलिस ने बताया कि कई बार खिलौना हेलीकॉप्टर, टॉय ट्रेन या हवाई जहाज की रोशनी को लोग ड्रोन समझ लेते हैं। इससे अफवाहें फैलती हैं और लोगों में भय पैदा होता है लोगों के अंदर एक अलग तरीके से भावना भी पैदा हो जाती है।

एसपी विनीत जायसवाल ने कहा कि गोंडा पुलिस जनता के साथ है। उन्होंने लोगों से संदिग्ध ड्रोन दिखने पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करने की अपील की है। साथ ही ड्रोन का उपयोग करने से पहले आवश्यक अनुमति और पंजीकरण कराने को कहा है। पुलिस द्वारा ऐसी जानकारी पर जांच भी की जा रही है कोई अगर माहौल खराब करने का प्रयास करेगा तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग सेंटर में विवाद, छात्रों ने शिक्षक का सिर फोड़ा

संवाददाता–देवरिया। जिले के पथरदेवा कस्बे के एक कोचिंग सेंटर में छात्रों का विवाद छुड़ाना शिक्षक को महंगा पड़ गया। कोचिंग सेंटर से बाहर निकलने पर छात्रों ने शिक्षक का सिर फोड़ दिया। घायल शिक्षक का महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। पुलिस ने दो छात्रों को हिरासत में लिया है। बघौचघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घुड़ीकुंड खुर्द के रहने वाले रजनीश यादव कस्बा स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ाते हैं। गुरुवार की सुबह किसी बात को लेकर बारहवीं कक्षा के छात्रों के बीच मारपीट हो गई।शिक्षक ने बीच बचाव तो थोड़ी देर बाद मामला शांत हो गया। शिक्षक का बीच–बचाव करना कुछ छात्रों को नागवार लग गया।जब शिक्षक पढ़ाने के बाद कोचिंग सेंटर से बाहर निकले तो बाजार में छात्रों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने लोहे की राड से शिक्षक के सिर पर वार कर दिया। इससे शिक्षक लहुलुहान हो गए।

सीएम योगी की आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आपत्तिजनक तस्वीर बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। युवक ने फोटो को एडिट कर मुख्यमंत्री को हरे रंग के कपड़े, हरी टोपी और दाढ़ी के साथ दिखाया था। भाजपाइयों की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के लालबोझा दरवेशगांव निवासी दिलशाद सलमानी ने अपने सोशल मीडिया के फेसबुक पर ईद मिलादुन्नबी त्योहार पर शुभकामना संदेश का एक बैनर अपने अकाउंट पर पोस्ट किया था। जिसमें दिलशाद पुत्र रौनक अली ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हरे रंग के कपड़े, हरी टोपी और दाढ़ी के साथ फोटो एडिट करअपने फोटो के साथ पोस्ट कर दिया। पोस्ट वायरल होते ही स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई। मामले की जानकारी होते ही भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जमुनहा मण्डल अध्यक्ष राहुल जायसवाल ने युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हरि ओम तिवारी को मामले से अवगत कराया। जिसके बाद जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मल्हीपुर थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को समझते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मुकेश चन्द्र उत्तम, एएसपी ने कहा कि मल्हीपुर क्षेत्र निवासी दिलशाद नाम के युवक ने अपने फेसबुक एकाउंट पर एक आपत्तिजनक फोटो पोस्ट किया था। जानकारी मिलने पर फोटो को डिलीट करा दिया गया है। साथ ही युवक को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

विधवा और प्रधान के ससुर का वीडियो आया सामने, सीसीटीवी में कैद हुई आपत्तिजनक हरकतें, परिवार ने थाने में दी शिकायत

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के कसया थाना क्षेत्र में एक 34 वर्षीय विधवा महिला और महिला ग्राम प्रधान के 75 वर्षीय ससुर का आपत्तिजनक वीडियो सामने आया है। घटना श्यामपुर हतवा गांव की है। विधवा महिला के पति की मृत्यु 2017 में हो गई थी। उसका एक 9 साल बेटा है। आरोपी गांव की महिला प्रधान के ससुर हैं, सरकारी योजनाओं में मदद करने के बहाने विधवा के संपर्क में आए।

विधवा की सास को जब इस संबंध पर शक हुआ, तो उन्होंने घर में सीसीटीवी कैमरा लगवा दिया। कैमरे में दोनों के बीच आपत्तिजनक गतिविधियां कैद हो गईं। सास ने इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज कराई है और सबूत के तौर पर वीडियो क्लिप भी सौंपी है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब उन्होंने इस मामले की शिकायत की, तो आरोपी पक्ष ने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण वह अपने पति और नाती के साथ गांव छोड़कर कसया में रहने लगी हैं।

पीड़ित परिवार ने दीपू सिंह, पप्पू सिंह, फूलबदन सिंह और उनकी बहू पर नाती के अपहरण या परिवार को नुकसान पहुंचाने की आशंका जताई है। 13 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब पीड़ित परिवार ने उच्चाधिकारियों और मीडिया से मदद की गुहार लगाई है। इस मामले पर प्रधान पति का कहना है कि सिर्फ चुनावी रंजिश में फंसाया जा रहा। वहीं,"भ्कसया अमित शर्मा का कहना है कि ये सास ससुर और बहू का मामला है। क्योंकि सास ससुर उसे निकालने पर तुले हैं। लेकिन बहू रहना चाहती। चुकी महिला और सम्बंधित बुजुर्ग स्वतंत्र है उनकी निजिता के मामले में कुछ नही किया जा सकता। जो नियमानुसार कार्रवाई होगी हो रही है।

लेबर सेस नहीं जमा करने पर सौ भवन स्वामियों को नोटिस

संवाददाता–देवरिया। दस लाख या उससे अधिक के आवासीय या व्यावसायिक भवन का निर्माण करने पर भवनों का श्रम विभाग में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कल्याण कर्मकार बोर्ड के अंतर्गत का पंजीकरण कराया जाना अनिवार्य है। बावजूद इसके 10 लाख या उससे अधिक के आवासीय या व्यावसायिक भवनों का निर्माण करने वाले भवन स्वामियों द्वारा लेबर से जमा नहीं किया जा रहा है इसे गंभीरता से लेते हुए विभाग ने लगभग सौ ऐसे भवन स्वामियों को चिन्हित करते हुए उन्हें नोटिस जारी किया है। इसे लेकर हड़कंप है। शासन द्वारा भवन या व्यावसायिक जिनके निर्माण की लागत दस लाख या उससे अधिक की लागत हो लेबर सेस जमा करने का निर्देश है।

ऐसे भवन स्वामियों से लागत की निर्धारित धनराशि का एक प्रतिशत धनराशि उपकर के रूप में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कल्याण कर्मकार बोर्ड के बैंक खाते में जमा किए जाने का प्रावधान है। जिसमें 2009 के पश्चात निर्मित हुए भवन व वर्तमान में निर्माणाधीन भवन का पंजीयन कराना अनिवार्य है। अधिष्ठान पंजीयन निवेश मित्र के पोर्टल पर भवन स्वामी को स्वयं पंजीकरण करना होगा। इसके अलावा निर्माण कार्य प्रारंभ होने के 30 दिन के अंदर इसकी जानकारी सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय में देनी होगी। लेबर सेसध उपकर जमा न करने की स्थिति में उपकर की वसूली हेतु भू–राजस्व की भांति अर्थदंड सहित जमा कराए जाने का प्रावधान है। ऐसे में निर्धारित मानक के अधीन भवन निर्माण करा रहे भवन स्वामियों को पंजीकरण कराने की अपील की गई है। वहीं लगभग 10 लाख की लागत से अधिक बनने वाले व्यावसायिक भवनों व्यापार व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा बार–बार निर्देश के बावजूद भी पंजीकरण कराकर कार्यालय में लेबर शेष नहीं जमा करने को गंभीरता से लेते हुए श्रम विभाग ने लगभग सौ भवन स्वामियों को नोटिस भेजा है। इनमें लगभग दो दर्जन से अधिक बड़े व्यसायिक प्रतिष्ठानों व भवनों के मालिक शामिल हैं। कोट–शासन द्वारा 10 लाख या उससे अधिक के भवनों या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के निर्माण पर संबंधित भवन स्वामी द्वारा सहज जन सेवा केंद्र के माध्यम से पंजीयन कराकर निर्माण लागत का एक प्रतिशत लेबर सेस जमा करने का निर्देश है।

तांडव सेना ने महंत रामचंद्र परमहंस को भारत रत्न देने की उठाई मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। आध्यात्मिक धार्मिक में नगरी अयोध्या पहुंची तांडव सेना राम लला का दर्शन पूजन कर प्रेस से मुखातिब हुए तांडव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगबीर सिंह परमार उन्होंने कहा की रामलला का दर्शन कर जीवन धन्य हो गया और श्री राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन में जिन संगठनों ने अहम भूमिका निभाई है हम सभी संगठनों एवं राम भक्तों को तांडव सेना की ओर से धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देता हू। श्री राम मंदिर निर्माण में आ रही विघ्न बाधाओं को दूर कर श्री राम मंदिर बनाकर तथा 370 धारा को खत्म कर ऑपरेशन सिन्दूर चलाकर सभी देशवासियों को गौरांवित किया है। भगवान श्री राम की धरती से मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि श्री राम मंदिर की तर्ज पर ही श्री कृष्ण जन्मभूमि में आ रहे विघ्न बाधाओं को दूर करें श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर का निर्माण करें।सनातन बोर्ड की स्थापना हो जिसमें सनातन संस्कृति की रक्षा हो सके। गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए। जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू हो।श्रीराम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष ब्रह्मलीन महंत परमहंस रामचंद्र दास महाराज को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। इस अवसर पर श्री महंत राम चंद्र परमहंस सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व तांडव सेना राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नारायण मिश्रा, जिला अध्यक्ष रजत पांडे, जिला अध्यक्ष महिला शक्ति रंजू सिंह, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अनूप दुबे, महामंत्री मुकेन्द्र तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गोंडा के रास्ते चलेंगी तीन पूजा स्पेशल ट्रेनें, यात्रियों को मिलेगी सहूलियत

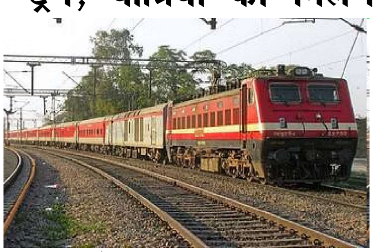

संवाददाता–गोण्डा। दशहरा, दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने तीन पूजा स्पेशल ट्रेनों को गोंडा के रास्ते चलाने का निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि अक्तूबर से नवंबर तक गोंडा के रास्ते विभिन्न रूटों पर इन गाड़ियों का संचालन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 05734/05733 किशनगंज–अमृतसर–किशनगंज साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचालन किशनगंज से 2 अक्तूबर से 13 नवंबर तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा अमृतसर से 4 अक्तूबर से 15 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को कुल सात फेरों के लिए किया जाएगा। यह विशेष गाड़ी प्रत्येक बृहस्पतिवार को किशनगंज से सुबह 9.10 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन रात 1.30 बजे गोंडा होते हुए तीसरे दिन रात 12.10 बजे अमृतसर पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी प्रत्येक शनिवार को अमृतसर से सुबह 4.25 बजे रवाना होकर अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ (उत्तर रेलवे) होते हुए दूसरे दिन रात 12.35 बजे गोंडा पहुंचेगी और यहां से गोरखपुर होते हुए किशनगंज जाएगी। इसी प्रकार, 04098ध्04097 नई दिल्ली–हसनपुर रोड–नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी का संचालन पहली अक्तूबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन किया जाएगा। नई दिल्ली से यह गाड़ी पहली अक्तूबर से 29 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे प्रस्थान कर रात 10.20 बजे गोंडा पहुंचेगी।

दूसरे दिन हसनपुर रोड पहुंचेगी। वापसी यात्रा में यह गाड़ी 2 अक्तूबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन हसनपुर रोड से दोपहर 3 बजे रवाना होकर दूसरे दिन सुबह 5.02 बजे गोंडा आएगी और कानपुर सेंट्रल होते हुए शाम 6.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। रेल प्रशासन ने एक अन्य ट्रेन की अवधि का विस्तार किया है।

09043/09044 बांद्रा टर्मिनस–बढ़नी–बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचालन अब 28 दिसंबर तक किया जाएगा। यह गाड़ी बांद्रा टर्मिनस से 28 दिसंबर तक प्रत्येक रविवार को रात 12.05 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 5.40 बजे गोंडा आएगी। सुबह 8 बजे बढ़नी जाएगी। वापसी में यह गाड़ी 29 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को बढ़नी से दोपहर 1.30 बजे रवाना होकर गोंडा से शाम 4. 10 बजे छूटेगी। दूसरे दिन रात 11.50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि इन विशेष गाड़ियों के संचालन से त्योहारों में यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में काफी सहूलियत होगी।

शिक्षक वह है जो बच्चों का जीवन निर्माण करें –डॉ रानी अवस्थी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति के द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया। उक्त अवसर पर बच्चो ने बड़े उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथा शिक्षकों ने केक भी काटा और सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन का जन्म दिवस मनाया। ज्ञात हो कि पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है तथा इस दिन शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाता है उनका जन्म दिवस शिक्षकों को समर्पित है। डॉ राधाकृष्णन स्वयं शिक्षक भी थे और कई भाषाओं के ज्ञाता भी थे। उक्त अवसर पर संस्था के शिक्षकों को बच्चों के द्वारा सम्मानित भी किया गया और पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ रानी अवस्थी ने कहा कि हम शिक्षकों का दायित्व है कि हम बच्चों को सर्वोत्तम ज्ञान प्रदान करें अच्छा शिक्षक वह है जो सीख कर भी नई–नई चीजे सिखाए बच्चों का ज्ञानवर्धन करें उन्हें विभिन्न प्रेरक कहानियो के द्वारा अपनी संस्कृति का ज्ञान दें अपने भारतीय होने पर गर्व करना सिखाए और बच्चों को संस्कारवान बनाएं उनका जीवन निर्माण करें। प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने कहा कि बच्चों को शिक्षक अभी से देशभक्त बनाएं, जिससे वह भविष्य में देश के अंदर एवं बाहर के दुश्मनों से लड़ सके। सर्वेश अवस्थी ने कहा कि बच्चे माता–पिता एवं गुरु का सम्मान ही ना करें बल्कि उनके बताएं रास्ते पर भी चले तथा माता–पिता एवं गुरु की डाँट का बुरा ना माने वह आपके उज्जवल भविष्य के लिए ही डाँटते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन संगीता जी ने किया शिक्षकों के लिए म्यूजिकल चेयर रेस एवं एक म्यूजिक शो का भी आयोजन किया गया था। शिक्षकों में अनीता सोनकर, किरण मिश्र, कांति पांडे , समीक्षा श्रीवास्तव , आंशिक , मनोज सोनकर , अंकिता सोनकर आदि उपस्थित थे।सभी बच्चों को संस्था की ओर से जलपान भी कराया गया व टॉफी भी दी गई।

भाजपा किसान मोर्चा का स्वास्थ्य शिविर,115 किसान परिवारों और उनके पशुओं की जांच

संवाददाता–देवरिया। भाजपा किसान मोर्चा की वर्तमान कार्यकारिणी के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में रामपुर कारखाना विधानसभा के बरुआडीह में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों ने 115 किसान परिवारों और उनके पशुओं की जांच कर निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने बताया कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना की है। साथ ही ग्राम सभाओं में आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलकर स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाई हैं।

सरकार ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है। भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश कुशवाहा ने बताया कि कम आय वर्ग के लोगों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज मिल रहा है। कार्यक्रम में डॉ. हेमंत कुमार यादव, डॉ. ओ पी प्रजापति, बलवंत सिंह, विजेंद्र चौहान, सुमंत चतुर्वेदी, भारत भूषण जायसवाल समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार, सीएम योगी ने दिया भरोसा, नहीं रूकेगा इलाज

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जनता दर्शन में 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जरूरतमंदों के इलाज से लेकर आवास तक की व्यवस्था के लिए सरकार की योजनाओं का लाभ बड़े पैमाने पर दिया जा रहा है। पर, किन्हीं कारणों से यदि कोई व्यक्ति इन योजनाओं के दायरे में अभी नहीं आ पाया हो तो उसे भी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रभावी कार्रवाई की जाए।

गुरुवार को सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक—एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने उसके आवास निर्माण के दौरान कुछ लोगों द्वारा लिंटर डालने में बाधा उत्पन्न करने की समस्या बताई।

इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की मदद की जाए और यदि कोई बाधा डाल रहा हो तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसी तरह जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राजस्व और पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। सरकार ने गत एक वर्ष में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 1100 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता राहत कोष से उपलब्ध कराई है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन लोगों को गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए नन्हे मुन्ने बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट दिया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मंत्री ओमप्रकाश राजभर की निकाली सांकेतिक शवयात्रा, जमकर काटा बवाल

संवाददाता—गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने बृहस्पतिवार को मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बयान का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने मंत्री की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली और पुतले को जूतों की माला पहनाकर उसे फूंक दिया।

अभाविप, गोरक्ष प्रांत कार्यालय से मंत्री ओमप्रकाश राजभर की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए छात्र संघ चौराहे पर पहुंची। यहां एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने ओमप्रकाश राजभर रूपी पुतले को जूते—चप्पलों की माला पहनाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

इसके बाद शवयात्रा गोरखपुर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंची, जहां पुतला दहन कर जोरदार विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कहा कि छात्रों का अपमान और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि मंत्री तुरंत अपने बयान पर माफी नहीं मांगते तो ।ठटच का आंदोलन और भी उग्र रूप लेगा। अभाविप गोरक्ष प्रांत मंत्री मयंक राय ने कहा कि मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा एबीवीपी के छात्रों को 'गुंडा' कहना न केवल विद्यार्थियों का अपमान है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की आत्मा पर भी प्रहार है।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित हुए बच्चे

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर जी वी एम कान्वेंट स्कूल के परिसर में शशिष्य शिक्षक दिवसश मनाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने प्रतिभाग किया बच्चे शिक्षकों के वेशभूषा में विद्यालय में आकर शिक्षकों की भूमिका में शिक्षण कार्य किया। इससे उनके प्रतिभा में बहुमुखी विकास होता है और उन्हें शिक्षण की बारीकियां सीखने को मिलती है विद्यालय की प्रधानाचार्य विजयलक्ष्मी सिंह ने बच्चों के शिक्षण कार्य का निरीक्षण किया और शिक्षण की बारीकियों के बारे में बताया शिक्षक दिवस में प्रतिभाग करने वाले बच्चों में आकृति, वर्षा,वर्तिका,गौरी, समृद्धि, सदिया, अरनव, सर्वज्ञ,आर्यन, अवंतिका, अविष्का, अंशिका, आराध्या, सबीहा, सात्विक, शिवम,श्रेयांश, शिक्षा, शुभम, युविका,साल्वी काशिफ, ओम,अनंत पावनी,आयुष,अंश राजश्री, वंशिका,हर्ष सक्षम, श्रेया, सिमरन ज्योति,निधि शगुफ्ता अदिति मुख्य रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य विजयलक्ष्मी सिंह ने प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राकेश, राजेश, निगहत, गिरीश,पवन सावित्री, दिवाकर,जितेंद्र दीपेंद्र,अश्वनी, समेत आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

प्रेक्सिस विद्यापीठ में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। प्रेक्सिस विद्यापीठ के शिवा कॉलोनी के प्रांगण में विद्यापीठ के परिसर में संपन्न हुई प्रतियोगिता के परिणाम के आधार पर पुरस्कार वितरण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी व विशिष्ट अतिथि जोनल हेड यूको बैंक प्रियंका यादव रही।

.समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक ने कहा समय और ऊर्जा के सम्यक प्रयोग से कोई भी मनुष्य अपनी मंजिल पा सकता है वहीं विशिष्ट अतिथि प्रियंका यादव ने कहा सपनों पर सबका हक है सपना देखोगे तो आगे जाओगे.। समारोह को प्रधानाचार्य बागीश त्रिपाठी निदेशिका कृति शुक्ला कोऑर्डिनेटर सतीश मेहता, राजकुमार यादव, राजेश राजपूत,आकांक्षा राज ने सम्बोधित किया। संचालन कलवारी शाखा की प्रधानाचार्य रितिक राठौर और हनुमान गंज की कोऑर्डिनेटर बबीता त्रिपाठी ने किया। प्रबंधक प्रशांत पांडेय ने कहा कि इस परीक्षा में कुल 4300 बच्चों ने प्रतिभा किया जिसमें 92 बच्चों को घड़ी और इमरजेंसी लाइट देकर सम्मानित किया गया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय रूधौली जिला—बस्ती
वाद सं0—27/2022
रामदास
बनाम
हरिश्चन्द्र आदि

1. हरिश्चन्द्र उम्र लगभग 62 वर्ष पुत्र गंगाराम 2. कन्हई उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र सुखावन निवासीगण भीटाकला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती

तारीख पेशी 15—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0— T202517140116041
धारा 116 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय न्यायिक हर्रैया जिला—बस्ती
नवीन श्रीवास्तव आदि
बनाम
रामनेरश आदि

1. रामनेरश पुत्र चुन्नीलाल 2. सावित्री देवी पत्नी जयराम 3. राजमन पुत्र दशरथ 4. नान्हू पुत्र झिनकान 5. रामनरेश पुत्र चीनीलाल 6. सोहनलाल पुत्र छोटेलाल साकिन गोपीनाथपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 7. ग्राम पंचायत जरिये प्रधान ग्राम गोपीनाथपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 8. सरकार उ0प्र0जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 09—09—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 278/2021
न्यायालय— श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) स्थान—बांसी जिला— सिद्धार्थनगर
श्रीमती जिलेवा
बनाम
श्रीमती मुन्द्रिका देवी आदि

1. श्रीमती मुन्द्रिका देवी पत्नी रतनेश्वर कुमार चतुर्वेदी 2. रतनेश्वर कुमार चतुर्वेदी पुत्र नेमदत्त चतुर्वेदी साकिन टिकुईया तप्पा बीसो परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर —प्रतिवादीगण प्रथमवर्ग 3. इश्वरदेव त्रिपाठी पुत्र गंगादीन ग्राम मुगडार छिविया तप्पा छत्तशी परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12—09—2025

वादी ने आपके विरूद्ध आज्ञापक आदेश के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **12—09—2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

रामनगरी में कई स्थानों पर आसमान में दिखे ड्रोन, पुलिस छानबीन में जुटी

संवाददाता—अयोध्या। बुधवार की रात मिल्कीपुर क्षेत्र के कई स्थानों पर आसमान में लोगों ने ड्रोन देखा। ड्रोन देखने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा। दहशत में ग्रामीण देर रात तक जागते रहे। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। लेकिन, ड्रोन के संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी।

बताया गया कि इनायत नगर के रेवना, मिल्कीपुर बाजार, खंडासा के कलुवामऊ, कोटिया, घटौली, नागीपुर, जयराजपुर, मिचकुरही, जगन्नाथपुर और तिंदौली गांव में आसमान में ड्रोन जैसी चमकदार चीजें घूमती देखी गईं। ग्रामीणों ने इसकी फोटो खींची। वीडियो भी बनाया। ड्रोन देखकर पूरे इलाके में हलचल मच गई। लोग फोन करके एक—दूसरे को ड्रोन उड़ने की जानकारी देते रहे।

काफी देर तक आसमान में घूमते रहे इन ड्रोन को लेकर तरह—तरह की चर्चाएं और अफवाहें फैलने लगीं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0—963/2023
202317000000963
अदालत— श्रीमान अपर आयुक्त न्यायिक बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
रामकृपाल आदि
बनाम
कौशलेन्द्र कुमार आदि

1. कौशलेन्द्र कुमार 2. संजय कुमार 3. हरीश कुमार 4. अनिल कुमार 5. रविन्द्रनाथ पुत्रगण बृजभूषण 6 श्रवण कुमार 7. सतीशचन्द्र 8. भगवती प्रसाद पुत्रगण हरिसरन 9. जर्नादन पुत्र दयाशंकर 10. पीताम्र पुत्र राजेश्वरी साकिनान मौजा पकरीचन्दा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 11. चकमार्ग 12. गिरजा शंकर 13. कौशल किशोर पुत्रगण राजेश्वरी 14. अंकित कुमार 15. बबलू पुत्रगण कैलाशनाथ ग्राम आमचान्दी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 16. उमापति 17. रमापति पुत्रगण राजेश्वरी 18. राघेन्द्र पुत्र लालता प्रसाद 19. चन्द्रशेखर पुत्र काशी प्रसाद 20. प्रशान्त कुमार पुत्र वेदप्रकाश 21. ओम प्रकाश पुत्र काशी प्रसाद 22. बलिसरन पुत्र श्यामनरायन 23. अजय कुमार पुत्र दुर्गासरन 24. विघनेश्वर पुत्र कालिकासरन 25. विश्वनाथ पुत्र रामलखन 26. सुमित्रानन्दन 27. सत्य प्रकाश पुत्रगण दयाशंकर 28. केशव प्रसाद 29. विनोद कुमार 30. आनन्द कुमार पुत्रगण गंगोत्री 31. विवेकानन्द पुत्र सुदामा प्रसाद 32 फूलदेव 33. प्रेम सागर पुत्रगण कन्हैयालाल 34. बुद्धिसागर 35. शीलसागर पुत्रगण पोहारीसरन 36. सरस्वती उर्फ कलावती पत्नी सूर्यनरायन 37. राजन प्रसाद पुत्र हरिनरायन 38. श्रीमती मिथलेश्वरी पत्नी जगदम्बा प्रसाद 39. शशिकान्त पुत्र जगदम्बा प्रसाद 40. नन्दलाल 41 राममिलन 42 रामनरायन 43. राजन पुत्रगण चन्द्रदेव 44. रमाकान्त पुत्र सुरेश चन्द्र 45 रामचन्द्र पुत्र हीरा 46. राधारमण पुत्र ध्रुवचन्द्र समस्त निवासीगण ग्प्रम पकरी चन्दा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 47 त्रिलोकी पुत्र रामपियारे ग्राम छितौनी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 48. ग्राम पंचायत छितौनी द्वारा प्रधान ग्राम छितौनी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 22—09—2025

अपील बनराजी फसला के अदालत अपर एस0डी0ओ मुकाम बस्ती मयरिखा 06 महीना 11 सन् 2023 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 09 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्जः सपा सांसद अवधेस प्रसाद का योगी सरकार पर हमला, न्यायिक जांच की मांग

संवाददाता—अयोध्या। बाराबंकी में एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज को लेकर सियासत तेज हो गई है। अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इस घटना पर योगी सरकार को घेरते हुए तीखा हमला बोला।

सपा सांसद ने कहा कि यह लाठीचार्ज सरकार की हताशा और नाकामी का प्रतीक है और साफ संकेत है कि सत्ता से विदाई अब तय है। उन्होंने दावा किया कि जनता का भरोसा भाजपा और उसके कार्यकर्ताओं से उठ चुका है और अब प्रदेश की जनता अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

अवधेश प्रसाद ने कहा कि सरकार जनहित के मुद्दों से पूरी तरह मुंह मोड़े हुए है। उन्होंने याद दिलाया कि 21 जुलाई से 21 अगस्त तक संसद का सत्र चला, लेकिन सरकार ने किसी भी लोकहित और जनहित के प्रश्नों पर जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोकसभा सबसे बड़ा मंच है, लेकिन मौजूदा सरकार विपक्ष की आवाज दबाकर केवल मनमानी करना चाहती है। सांसद ने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लोकतंत्र पर हमला करार देते हुए इसकी घोर निंदा की और न्यायिक जांच की मांग की।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय—श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मुतफरका नं0—416/2022
परमात्मा
बनाम
निर्मल आदि

1. निर्मल 2. विश्वकर्मा 3. ब्रहमा पुत्रगण रामलखन सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4. विरेन्द्रनाथ (मृतक)पुत्र शम्भूनाथ सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4/1 श्रीमती तारा पत्नी विरेन्द्रनाथ 4/2 सरोज 4/3 सन्तोष 4/4 सुमन 4/5 शशि 4/6 भुनेश्वरी पुत्रीगण विरेन्द्रनाथ 4/7 प्रदीप कुमार पुत्र विरेन्द्रनाथ 4/8 मनोज कुमार 4/9 विनोद कुमार पुत्रगण विरेन्द्रनाथ सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 5. उपेन्द्रनाथ (मृतक) पुत्र शम्भूनाथ सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 5/1 माधुरी पुत्री उपेन्द्रनाथ 5/2 प्रवेश पुत्र उपेन्द्रनाथ 5/3 गुडडी पुत्री उपेन्द्रनाथ 5/4 रेनू पुत्री उपेन्द्रनाथ 5/5 सीमा पुत्री उपेन्द्रनाथ 5/6 भूपेश कुमार पुत्र उपेन्द्रनाथ 5/7 अखिलेश कुमार पुत्र उपेन्द्रनाथ 5/8 रूपेश पुत्र उपेन्द्रनाथ सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 6. दुर्गा प्रसाद 7. सदानन्द पुत्रगण योगेन्द्रनाथ सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 8. श्रीमती इन्द्रमती देवी (मृतक) पत्नी देवेन्द्रनाथ सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 8/1 अखिलेश 8/2 सोनू पुत्रगण देवेन्द्रनाथ सा0 मौजा मिश्रौलिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 24—09—2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 09 के 24 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्र सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय—श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती
T.A. N0 117/2025
नुरूलहुदा
बनाम
इस्लामुनिंशा आदि

बनाम—1— श्रीमती इस्लामुनिंशा पत्नी मो0 अहमद साकिन परसजप्ती तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 11—09—2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 09 के 11दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्र सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 186/2025
रीना—सायल

1. रीना उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी मेवालाल निवासी ग्राम मूड़ाडीहा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 22—09—2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 22—09—2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती
सिविल निगरानी सं0—18/2025
हजरूननिशा
बनाम
रमजान अली आदि

2. मोल्हू बक्श पुत्र जैनुल्लाह ग्राम ओड़वारा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 20—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

25 तक कर सकते हैं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। राजकीय कृषि बीज भंडार बर्डपुर से सरसों, मटर, मसूर, चना आदि के बीज निःशुल्क लेने के लिए किसानों को पहले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद ही बीज गोदाम से उपलब्ध हो पाएगा। किसान 25 सितंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यह जानकारी बर्डपुर राजकीय कृषि बीज भंडार के गोदाम प्रभारी विनोद कुमार पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि जिन किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण होगा उन्हीं को राजकीय कृषि बीज भंडार से सरसों, मटर, चना, मसूर के बीज वितरण किया जाएगा।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
धारा 48 (1)जो0च0अधि0
कायमी
अदालत— श्रीमान डी0डी0सी0 महोदय बस्ती जिला बस्ती
विक्रम सिंह आदि
बनाम
रामफेर आदि

1. जगराम 2. सन्तराम पुत्रगण मुनेसर निवासी ग्राम सकदरपुर तहसील मनिकापुर जिला—गोण्डा

तारीख पेशी 16—09—2025

अपील बनराजी के अदालत अपर मुकाम बस्ती मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 09 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com